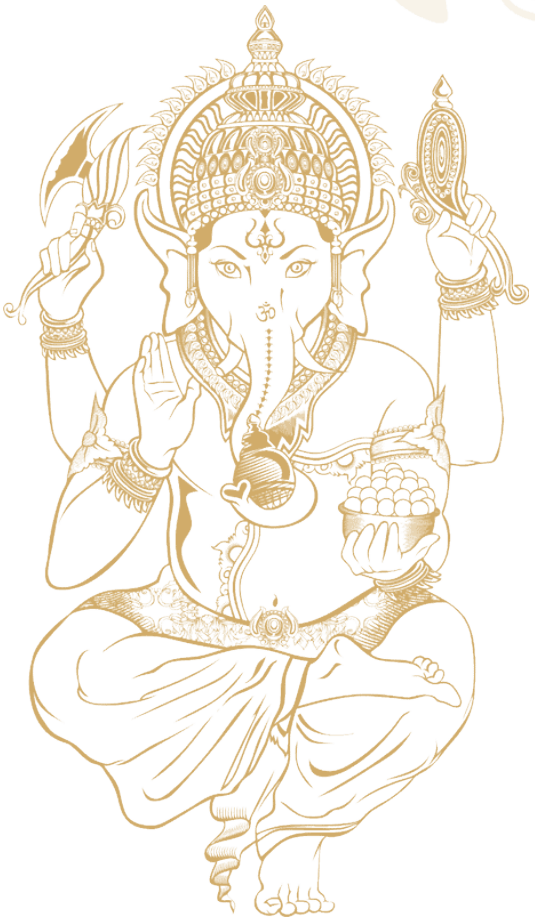

Jayant

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119008303

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/11/1994	जन्म तिथि	24/06/1994
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 22:25:00	जन्म समय	15:29:00 घंटे
घटी 40:10:54	जन्म समय(घटी)	25:38:57 घटी
India	देश	India
Allahabad	स्थान	Amritsar
25:27:00 उत्तर	अक्षांश	31:35:00 उत्तर
81:50:00 पूर्व	रेखांश	74:56:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:02:40	स्थानिक संस्कार	-00:30:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:20:38	सूर्योदय	05:26:29
17:14:06	सूर्यास्त	19:38:38
23:47:18	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:02

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 0वर्ष 0मा 23दि	13:59:06	कर्क	लग्न	तुला	16:16:15	शुक्र 7वर्ष 9मा 29दि
चन्द्र	00:19:08	वृश्चि	सूर्य	मिथु	08:53:10	राहु
09/12/2020	13:12:40	मेष	चंद्र	धनु	21:26:48	23/04/2025
10/12/2030	27:40:15	कर्क	मंगल	मेष	29:24:01	23/04/2043
चन्द्र 10/10/2021	15:07:58	तुला	बुध व	मिथु	10:25:23	राहु 04/01/2028
मंगल 11/05/2022	01:11:59	वृश्चि	गुरु व	तुला	11:04:26	गुरु 30/05/2030
राहु 10/11/2023	09:42:19	तुला व	शुक्र	कर्क	16:51:34	शनि 04/04/2033
गुरु 11/03/2025	11:56:17	कुंभ	शनि व	कुंभ	18:37:05	बुध 23/10/2035
शनि 10/10/2026	21:03:56	तुला	राहु व	तुला	29:28:39	केतु 09/11/2036
बुध 10/03/2028	21:03:56	मेष	केतु व	मेष	29:28:39	शुक्र 10/11/2039
केतु 09/10/2028	29:28:00	धनु	हर्ष व	मक	01:27:39	सूर्य 04/10/2040
शुक्र 10/06/2030	27:20:19	धनु	नेप व	धनु	28:42:46	चन्द्र 05/04/2042
सूर्य 10/12/2030	04:01:45	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	01:57:31	मंगल 23/04/2043

लग्न-चलित

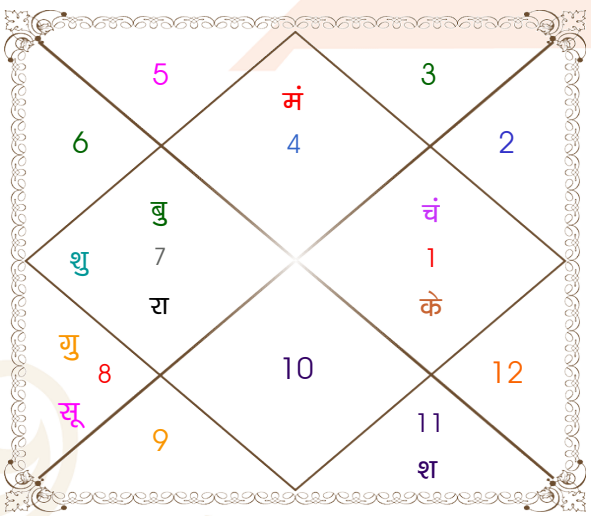

लग्न-चलित

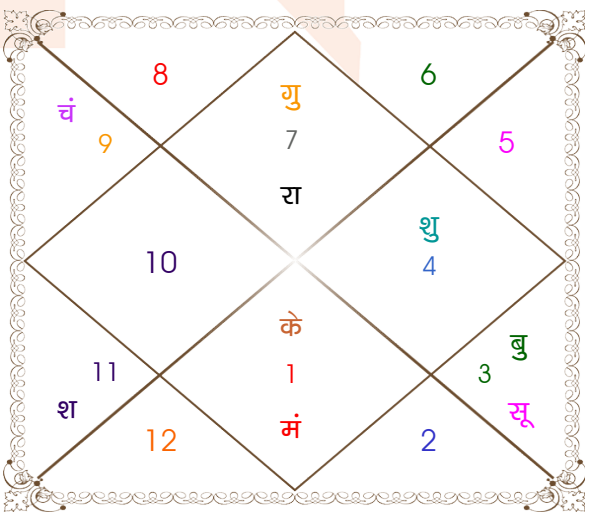

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

श्रंलंदज का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार श्रंलंदज और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

श्रंलंदज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल श्रंलंदज कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Ms. कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

श्रंलंदज तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।